



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 104 ]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 9, 2001/फाल्गुन 18, 1922

No. 104]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 9, 2001/PHALGUNA 18, 1922

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

( कम्पनी कार्य विभाग )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 मार्च, 2001

सा.का.नि. 168 ( अ ).—केन्द्रीय सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 ( 1956 का 1 ) की धारा 252 के साथ पठित धारा 642 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कम्पनी (लघु शेयर धारकों के निदेशक की नियुक्ति) नियम, 2001 है;
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं :—

इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

- (क) "अधिनियम" से कंपनी अधिनियम, 1956 ( 1956 का 1 ) अभिप्रेत है;
- (ख) "लघु शेयर धारक" से ऐसा शेयर धारक अभिप्रेत है जो ऐसी कंपनी में जिसे अधिनियम की धारा 252 लागू होती है, बीस हजार रुपए या इससे कम के अभिहित मूल्य के शेयर धारण कर रहा है।

3. लागू होना :—

ये नियम ऐसी पब्लिक कंपनियों को लागू होंगे—

- (क) जिनकी पांच करोड़ रुपए या इससे अधिक की समादत पूंजी है;
- (ख) जिनके एक हजार या इससे अधिक लघु शेयर धारक हैं।

#### 4. लघु शेयर धारकों के निदेशक के निर्वाचन की रीति :—

- (1) कंपनी लघु शेयर धारकों में से लघु शेयर धारकों के निदेशक को निर्वाचित करने के लिए स्व प्रेरणा से या ऐसे लघु शेयर धारकों की सूचना पर जो कुल लघु शेयर धारकों के एक बटे दस से कम नहीं हैं और जिन्होंने ऐसे व्यक्ति के नाम का प्रस्ताव किया है जो कंपनी को लघु शेयर धारक भी होगा।
- (2) किसी व्यक्ति का प्रस्ताव करने का आशय रखने वाले लघु शेयर धारक, अधिवेशन से कम से कम 14 दिन पूर्व, कम से कम 100 लघु शेयर धारकों के हस्ताक्षरों के अधीन अपने आशय की सूचना, जिसमें उस व्यक्ति का जिसका नाम निदेशक के पद के लिए प्रस्तावित किया जा रहा है और लघु शेयर धारकों के निदेशक के पद के लिए अभ्यर्थी के रूप में ऐसे व्यक्ति का प्रस्ताव करने वाले लघु शेयर धारकों के नाम, पते, धारित शेयर और फोलियों संख्या तथा लाभांश और मतदान के बारे में विशेष अधिकारों के साथ यदि कोई हो, शेयर की विशिष्टियां विनिर्दिष्ट की जाएंगी, कंपनी के पास छोड़ेगा।
- (3) वह व्यक्ति जिसके नाम का लघु शेयर धारकों के निदेशक के पद के लिए प्रस्ताव किया गया है, निदेशक के रूप में कार्य करने के लिए लिखित में अपनी सम्मति पर हस्ताक्षर करेगा और उसे कंपनी के पास छोड़ेगा।
- (4) सूची बद्ध पब्लिक कंपनी लघु शेयर धारकों के नामनिर्देशितों को उपरोक्त उपनियम (1), (2) और (3) के अधीन रहते हुए डाक मत पत्र के माध्यम से निर्वाचित करेगी।
- (5) असूचीबद्ध कंपनी लघु शेयर धारकों के ऐसे नाम निर्देशितों को उपरोक्त शर्तों के अधीन रहते हुए तभी नियुक्त कर सकेगी यदि लघु शेयर धारकों के बहुमत ने अपने अधिवेशन में निदेशक के पद के लिए उसकी अभ्यर्थिता की सिफारिश की हो।
- (6) लघु शेयर धारकों के ऐसे निदेशक का कार्यकाल, सिवाय वहां के जहां उसे चक्रानुक्रम में सेवा निवृत्त होने की आवश्यकता न पड़ी हो, कंपनी अधिनियम के उपबंधों की अपेक्षा को पूरा करने के अधीन रहते हुए 3 वर्ष की अधिकतम अवधि के लिए होगा।
- (7) वही व्यक्ति, अपने कार्यकाल के पर्यवसन पर, यदि लघु शेयर धारकों द्वारा ऐसी इच्छा व्यक्त की गई हो, 3 वर्ष की एक और अवधि के लिए निर्वाचित किया जा सकेगा।
- (8) ऐसे निदेशक को, पूर्णकालिक निदेशक या प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्ति के सिवाय, सभी अन्य प्रयोजनों के लिए निदेशक के रूप में माना जाएगा।

#### 5. निरर्हता :—

कोई व्यक्ति किसी कंपनी के लघु शेयर धारकों के निदेशक के रूप में नियुक्त किए जाने के लिए समर्थ नहीं होगा, यदि—

- (i) वह सक्षम अधिकारिता के किसी न्यायालय द्वारा विकृत चित पाया गया है और न्यायालय का निष्कर्ष प्रवर्तन में है;
- (ii) वह एक अनुन्मोचित दिवालिया है;
- (iii) उसने दिवालिया न्यायनिर्णीत किए जाने के लिए आवेदन किया है और उसका आवेदन संबन्धित है;
- (iv) वह किसी न्यायालय द्वारा ऐसे किसी अपराध के लिए जिसमें नैतिक अपमता अंतर्बलित है, सिद्ध दोष ठहराया गया है और उसके संबंध में छह मास से अन्यून के लिए कारागार से दंडादिष्ट किया गया है तथा उक्त दंडादेश की समाप्ति की तारीख से पांच वर्ष की अवधि व्यतीत नहीं हुई है;
- (v) उसने उसके द्वारा धारित किसी कंपनी के शेयरों की बाबत, भले ही ऐसे शेयर अकेले या अन्य के साथ संयुक्त रूप से धारित हों, किसी मांग का संदाय नहीं किया है और उक्त मांग का संदाय के लिए नियत अंतिम तारीख से छह मास व्यतीत हो गए हैं; या
- (vi) किसी न्यायालय द्वारा धारा 203 के अनुसरण में उसे निदेशक के रूप में नियुक्ति के लिए निरर्हित करते हुए आदेश पारित किया गया है और वह आदेश प्रवर्तन में है, जब तक कि उस धारा के अनुसरण में अपनी नियुक्ति के लिए उक्त न्यायालय से अनुमति अभिप्राप्त न कर ली हो;

#### 6. पद रिक्ति :—

लघु शेयर धारकों के निदेशक के रूप में नियुक्त व्यक्ति को पद रिक्त करना पड़ेगा यदि—

- (i) लघु शेयर धारकों के निदेशक के रूप में इस प्रकार नियुक्त ऐसा व्यक्ति ऐसी तारीख से ही जिसको वह लघु शेयर धारक बना नहीं रहता है, लघु शेयर धारकों का निदेशक बना नहीं रहेगा;
- (ii) वह नियम 5 के उपनियम (1) के आधार पर निरर्हित कर दिया गया है;
- (iii) वह उसके द्वारा धारित कंपनी के शेयरों की बाबत, चाहे वे शेयर अकेले के द्वारा या अन्य के साथ संयुक्त रूप से धारित हो, किसी मांग का, उस मांग के संदाय के लिए नियत अंतिम तारीख से छह मास के भीतर संदाय करने में असफल रहा है;
- (iv) वह स्वयं निदेशक बोर्ड के तीन क्रमवर्ती अधिवेशनों में या लगातार तीन मास की अवधि के लिए बोर्ड के सभी अधिवेशनों में बोर्ड से अनुपस्थिति की अनुमति अभिप्राप्त किए बिना अनुपस्थित रहा है;

- (v) वह ऐसी किसी प्राइवेट कंपनी का भागीदार है जिसका वह निदेशक है और धारा 295 के उल्लंघन में कंपनी से ऋण या किसी ऋण के लिए कोई प्रत्याभूति या प्रतिभूति स्वीकार करता है;
- (vi) वह धारा 299 के उल्लंघन में कार्य करता है;
- (vii) वह धारा 203 के अधीन न्यायालय के किसी आदेश द्वारा निर्हृत हो जाता है।
- (viii) वह धारा 284 के अनुसरण में हटा दिया जाता है।

7. निदेशकता की संख्या पर निर्बंध :-

कोई भी व्यक्ति एक ही समय में दो से अधिक कंपनियों में लघु शेयर धारकों के निदेशक के रूप में पद धारण नहीं करेगा।

[फा. सं. 1/19/2000-सी एल-5]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 9th March, 2001

**G.S.R. 168(E).**— In exercise of the powers conferred by section 642 read with section 252 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules, namely:-

#### 1. Short title and Commencement:-

- (1) These rules may be called the Companies (Appointment of the Small Shareholders' Director) Rules, 2001.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

#### 2. Definitions:-

In these rules unless the context otherwise requires -

- (a) "Act" means the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (b) "Small Shareholder" means a shareholder holding shares of nominal value of twenty thousand rupees or less in a public company to which section 252 of the Act applies.

#### 3. Applications:-

These rules shall apply to public companies having -

- (a) paid-up capital of five crore rupees or more;
- (b) one thousand or more small shareholders.

#### 4. Manner of election of small shareholders' director:-

- (1) A company may act suo-moto to elect a small shareholders' director from amongst small shareholders or upon the notice of small shareholders, who are not less than 1/10<sup>th</sup> of total small shareholders and have proposed name of a person who shall also be a small shareholder of the company.

- (2) Small shareholders intending to propose a person shall leave a notice of their intention with the company at least 14 days before the meeting under the signature of at least 100 small shareholders specifying name, address, shares held and folio number and particulars of share with differential rights as to dividend and voting, if any, of the person whose name is being proposed for the post of director and of other small shareholders proposing such person as a candidate for the post of director or small shareholders.
- (3) A person whose name has been proposed for the post of small shareholders' director shall sign, and file with the company, his consent in writing to act as a director.
- (4) The listed public company shall elect small shareholders nominee subject to sub-rules (1), (2) and (3) above through the postal ballot.
- (5) The unlisted company may appoint such small shareholders' nominee subject to above conditions if majority of small shareholders recommend his candidature for the post of director in their meeting.
- (6) Tenure of such small shareholders' director shall be for a maximum period of 3 years subject to meeting the requirement of provisions of Companies Act except that he need not have to retire by rotation.
- (7) On expiry of his tenure, the same person if so desired by small shareholders, may be elected for an another period of 3 years.
- (8) Such director shall be treated as director for all other purposes except for appointment as whole time director or managing director.

5. Disqualification:-

A person shall not be capable of being appointed as small shareholders' director of a company, if –

- (i) he has been found to be of unsound mind by a Court of competent jurisdiction and the finding is in force;
- (ii) he is an undischarged insolvent;
- (iii) he has applied to be adjudicated as an insolvent and his application is pending;
- (iv) he has been convicted by a Court of any offence involving moral turpitude and sentenced in respect thereof to imprisonment for not less than six months, and a period of five years has not elapsed from the date of expiry of the sentence;
- (v) he has not paid any call in respect of shares of the company held by him, whether alone or jointly with others, and six months have elapsed from the last day fixed for the payment of the call; or

- (vi) an order disqualifying him for appointment as director has been passed by a Court in pursuance of section 203 and is in force, unless the leave of the Court has been obtained for his appointment in pursuance of that section.

6. Vacation of office:-

A person appointed as small shareholders' director shall have to vacate the office if -

- (i) such person so elected, as director of small shareholders ceases to be a small shareholders' director on and from such date on which he ceased to be a small shareholder;
- (ii) he has been rendered disqualified by virtue of sub-rule (1) of rule (5);
- (iii) he fails to pay any call in respect of shares of the company held by him, whether alone or jointly with others, within six months from the last date fixed for the payment of the call;
- (iv) he absents himself from three consecutive meetings of the Board of directors, or from all meetings of the Board for a continuous period of three months, whichever is longer, without obtaining leave of absence from the Board;
- (v) he is a partner of any private company of which he is a director, accepts a loan, or any guarantee or security for a loan, from the company in contravention of section 295;
- (vi) he acts in contravention of section 299;
- (vii) he becomes disqualified by an order of Court under section 203;
- (viii) he is removed in pursuance of section 284;

7. Restriction on number of directorship:-

No person shall hold office at the same time as small shareholders' director in more than two companies.

[F No. 1/19/2000-CL.V]

A. RAMASWAMY, Jt Secy.

36165/2001-2

